Result Mitra Daily Current Affairs

बैंक का गिरता जमा अनुपात

➢ हालिया संदर्भ :

- जून 2024 अर्थात 2024-25 वित्तीय वर्ष के पहले तिमाही के अंत तक SBI के जमा राशि 49.01 लाख करोड रूपये रही, जबकि मार्च 2024 वाले तिमाही में यह राशि 49.16 लाख करोड रही थी।
- बैंक ऑफ बडौदा (BOB) के जमा राशि में भी इस अवधि में कमी देखी गई (13.26 लाख करोड रूपये से 13.06 लाख करोड रूपये), साथ ही अन्य बैंकों ने भी ऐसी ही प्रवृत्ति की सूचना दी।
- ऐसी प्रवृत्ति के कारण, बैंक प्रणाली में ऋण-जमा की मांग को पूरा करने के लिये विशेष जमा योजनाएं चलाई जा रही है।

➢ कारण :

- ग्राहक अब बेहतर रिटर्न के लिये अपने फंड को रखने के लिये पूँजी बाजार का उपयोग कर रहे हैं।
- पूँजी बाजार में रिटर्न की संभावना बैंक जमा की तुलना में ज्यादा है और म्यूचुअल फंड जैसी योजनाओं में निवेश करने के लिये लोगों ने सावधि जमा (Fixed Deposite) भी तोडना शुरू कर दिया है।

➢ CASA जमा और रणनीति :

- इस वित्तीय वर्ष के पहले तिमाही में चालू एवं बचत बैंक खाता (CASA, Current and Saving Account) जमा में गिरावट दर्ज की गई।
- SBI की CASA जमा मार्च 2024 की 19.41 लाख करोड रूपये की तुलना में घटकर जून 2024 में 19.14 लाख करोड रूपये रह गई है।
- जमा वृद्धि में गिरावट ने कुछ बैंकों को खास क्षेत्रों में जमा दरें (जमा पर मिलने वाली ब्याज दर) बढाने को मजबूर किया है।
- ऋण वृद्धि अब जमा वृद्धि से आगे निकल गया है और 2007 में भी ऐसी ही प्रवृत्ति देखी गई थी।
- RBI के नवीनतम आंकडों से पता चलता है कि जुलाई 2024 तक ऋण वृद्धि में 15.1% की वृद्धि हुई, जबकि साल-दर-साल आधार पर यह 14.6% रही।
- इसी अवधि में जमा वृद्धि 12.9% से घटकर 10.6% रह गई।

➢ **विशेष योजनाएँ :**

- अधिक जमा जुटाने के लिये बैंक विशेष सावधि जमा योजना चला रहे हैं, साथ ही वे खुदरा जमा योजनाएं भी लागू कर रहे हैं।
- SBI ने "अमृत वृष्टि" के तहत 444 दिनों के जमा पर 7.25% ब्याज के साथ नई जमा योजना शुरू की है तो BOB ने "मानसून धमाका" नामक योजना शुरू की है, जिसमें 399 दिनों के लिये 7.25% और 333 दिनों के लिये 7.15% ब्याज दर की घोषणा की गई है।

➢ **सलाह :**

- RBI गवर्नर ने ऋणदाताओं से अभिनव उत्पाद पेशकशों के माध्यम से जमा जुटाने एवं व्यापक शाखा नेटवर्क का प्रयोग करने की सलाह बैंकों को दी।
- RBI के अनुसार, वैकल्पिक निवेश (पूँजी बाजार) के रास्ते खुदरा ग्राहकों के लिये ज्यादा आकर्षक होते जा रहे हैं और बैंकों को वित्त पोषण पर चुनौतियों का सामना करना पड रहा है।
- वित्त मंत्री ने सलाह दी है कि बैंक केवल बडी जमा राशि के बजाय छोटी जमा राशि जुटाने पर ध्यान दें।

➢ **प्रभाव :**

- जमा राशि में कमी ने बैंकों को महंगे दरों पर उधार देने के लिये मजबूर किया है क्योंकि धीमी जमा वृद्धि से धन की लागत में वृद्धि हुई है।
- SBI ने हाल ही में सभी अवधियों में सीमांत लागत निधि दर (MCLR) में 10 आधार अंकों (BPS) की वृद्धि की है तथा कुछ अवधियों के लिये यह वृद्धि 30 BPS तक है।

➢ **म्यूचुअल फंड VS बैंक जमा :**

Result Mitra TM

- विश्लेषकों के अनुसार म्यूचुअल फंड (MF) की इक्विटी योजनाओं ने बैंक जमा की तुलना में 4-5 गुना ज्यादा रिटर्न दिया है, वहीं मुद्रास्फीति को समायोजित करने के बाद बैंक से 2-3 % रिटर्न लोगों को प्राप्त होता है।
- विशेषज्ञों का मानना है कि MF में अधिक निवेश से बैंकिंग तरलता प्रभावित नहीं होगी क्योंकि अंततः पैसा बैंकिंग प्रणाली में ही आएगा।
- पिछले 7 वर्षों में इक्विटी बाजारों एवं इक्विटी उन्मुख MF योजनाओं से बेहतर रिटर्न प्राप्त हो रहा है।
- इन सब में SIP (व्यवस्थित निवेश योजना) सबसे ज्यादा लोकप्रिय है, जिसके तहत कोई व्यक्ति सभी स्तरों पर नियमित रूप से निवेश कर सकता है। इस कारण से बहुत सारा बचत SIP में चला गया है।
- एसोसिएशन ऑफ MF इन इंडिया के आंकडों के अनुसार, जुलाई में SIP का योगदान 23332 करोड रूपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया।
- MF उद्योग के प्रबंधन के तहत शुद्ध संपत्ति जुलाई 2024 के अंत तक 6.23% की वृद्धि के साथ 64.97 लाख करोड रूपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच गया।

Result Mitra